राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्

परिषद् में राजभाषा हिन्दी के बढ़ते कदम

परिषद् में राजभाषा हिन्दी का कार्यान्वयन सुचारू रूप से हो रहा है। भारत सरकार की राजभाषा नीति का सम्यक अनुपालन किया जा रहा है। परिषद में एक हिन्दी एकक की स्थापना की गई है, जिसमें एक राजभाषा परामर्शदाता तथा अन्य कर्मचारी सम्मिलित हैं। हिन्दी पदों के सृजन के लिए प्रयास किया जा रहा है। सभी अधिकारी/कर्मचारी हिन्दी में प्रवीणता/कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है और सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग किया जा रहा है। 31 मार्च, 2015 को समाप्त तिमाही प्रगति रिपोर्ट के अनुसार परिषद में हिन्दी में मूल पत्राचार की प्रतिशतता 72 प्रतिशत रही है। सभी कम्प्यूटरों में हिन्दी फोंट/सॉफ्टवेयर मौजूद है। समय–समय पर कम्प्यूटर पर कार्य के लिए अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाता है। सभी बैठकों में हिन्दी में वार्तालाप व विचार–विमर्श होता है। राजभाषा अधिनियम के अन्तर्गत सभी कागजात हिन्दी/द्विभाषी रूप में जारी किए जाते हैं। सेवापुस्तिका व अन्य रजिस्टरों में प्रविष्टियां हिन्दी में की जा रही हैं। फाइलों पर भी टिप्पण–प्रारूपण हिन्दी में हो रहा है। इस वर्ष लगभग 50,000 रु/– की हिन्दी पुस्तकें पुस्तकालय में मंगाई गई हैं। सभी प्रकाशन हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में निकाले जाते हैं।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 15 से 19 सितम्बर, 2014 तक हिन्दी सप्ताह का आयोजन बड़ी धूम–धाम से किया गया, जिसमें कई प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए गए, जैसे हिन्दी निबंध प्रतियोगिता, टिप्पण–प्रारूप लेखन, हिन्दी श्रुतलेख, वाद–विवाद, आशुभाषण, स्वरचित कविता पाठ आदि। प्रतियोगिताओं में अधिकारियों/कर्मचारियों ने उत्साह से भाग लिया एवं प्रत्येक प्रतियोगिता में अलग–अलग वर्गों के विजयी कर्मचारियों को अलग–अलग पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री जी का सन्देश सभी को जारी किया गया। चारों क्षेत्रीय केन्द्रों में भी हिन्दी सप्ताह का आयोजन किया गया। हिन्दी सप्ताह के अवसर पर परिषद के अध्यक्ष महादेय ने अपने प्रेरणास्पद भाषण में कहा कि परिषद में सभी लोग अधिक से अधिक कार्य हिन्दी में ही करें। हिन्दी हमारी राजभाषा के साथ–साथ राष्ट्रभाषा भी है तथा सारे देश की सम्पर्क भाषा है। इसलिए हिन्दी में कार्य करना लोकतंत्र को मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा कि परिषद के सभी प्रकाशन अनिवार्य रूप से हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में छपने चाहिए। हिन्दी सप्ताह के समापन समारोह में अध्यक्ष महोदय ने सभी प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को 22 पुरस्कार प्रदान किए।

पुरस्कृत कर्मचारियों की सूची संलग्न है:

नाम	प्रतियोगिता	प्रतियोगिता में प्राप्त स्थान
जयप्रकाश	हिन्दी निबंध एवं भाव विस्तार	प्रथम
हिमांशु अधिकारी	–वही–	द्वितीय
जयप्रकाश मौर्य	–वही–	तृतीय
कनिका ढ़िल्लों	हिन्दी टिप्पण/आलेखन तथा भाषा ज्ञान	प्रथम
उमेश कुमार	–वही–	द्वितीय
जय प्रकाश	–वही–	तृतीय
कनिका ढ़िल्लों	आशुभाषण	प्रथम
प्रेम सिंह	–वही–	द्वितीय
अमित कुमार	–वही–	तृतीय
उमेश कुमार	–वही–	तृतीय
कनिका ढ़िल्लों	वाद–विवाद	प्रथम
प्रेम सिंह	–वही–	द्वितीय
राम प्रकाश	–वही–	तृतीय
प्रेम सिंह	श्रुतलेख	प्रथम
प्रेमचन्द	–वही–	द्वितीय
रोहतास	–वही–	तृतीय
वीरेन्द्र मौर्य	स्वरचित कविता	प्रथम
कनिका ढ़िल्लों	–वही–	द्वितीय
जयप्रकाश मौर्य	–वही–	द्वितीय
गोडविन वारा	–वही–	द्वितीय
जय प्रकाश	–वही–	तृतीय